जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

दिनांक: 19/04/2024

प्रेस विज्ञप्ति

यूसीएलए, यूएसए के डॉ. डेविड टी. डब्ल्यू वोंग ने जामिया में सैलिवा डायग्नोस्टिक्स: सेलिवाओमिक्स, सेलिवा एक्सोसोमिक्स और सेलिवा लिक्विड बायोप्सी पर दिया व्याख्यान

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के दंत चिकित्सा संकाय द्वारा दिनांक 18 अप्रैल 2024 को सैलिवा डायग्नोस्टिक्स: सेलिवाओमिक्स, सेलिवा एक्सोसोमिक्स और सेलिवा लिक्विड बायोप्सी पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता यूसीएलए सेंटर फॉर ओरल/हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी रिसर्च, यूएसए के निदेशक प्रोफेसर डेविड टी. डब्ल्यू वोंग रहे और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. मेघानंद टी नायक, अध्यक्ष , ओरल पैथोलॉजी विभाग, सुरेंद्र डेंटल कॉलेज, श्रीगंगानगर रहे । कार्यक्रम का आयोजन जेएमआई के दंत चिकित्सा संकाय द्वारा संकाय की डीन प्रो. केया सरकार के कुशल मार्गदर्शन में उनकी टीम द्वारा किया गया जिसमें प्रो. अमन चौधरी और प्रो. प्रियंका कपूर ने समन्वयक की भूमिका अदा की ।

कार्यक्रम में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रतिष्ठित पैनलिस्ट प्रो मोहम्मद जाहिद अशरफ, डीन, लाइफ साइंसेज संकाय, प्रो मोहम्मद इम्तियाज हसन, सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइंसेज, डॉ. मोहन चंद्र जोशी, सहायक प्रोफेसर, मल्टीडिसिप्लिनरी सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड स्टडीज (एमसीएआरएस) और प्रो शमीमुल हसन, दंत चिकित्सा संकाय के साथ "एप्लिकेशन ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन सैलिवा " पर एक पैनल चर्चा भी हुई । आयोजन की सफलता का अंदाजा दंत चिकित्सा संकाय के 35 से अधिक प्रतिनिधियों के साथ जामिया मिल्लिया इस्लामिया के बायोसाइंसेज संकाय के शोधार्थियों की व्यापक भागीदारी से लगाया जा सकता है।

इस कार्यक्रम की शुरुआत संकाय अध्यक्ष प्रो. केया सरकार के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और दर्शकों को हमारे 100 साल पुराने विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के साथ-साथ दंत चिकित्सा संकाय से परिचित कराया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के विविध अवसरों का प्रदर्शन किया, जिसमें हरे-भरे परिसर को बनाए रखने और विश्वविद्यालय के अपनाए जा रहे कम कार्बन उत्सर्जन तकनीकों द्वारा पर्यावरण चेतना को मजबूती प्रदान करने पर प्रकाश डाला । प्रो. केया सरकार ने एक वीडियो के माध्यम से विश्वविद्यालय मेन उपलब्ध विशेषज्ञता और मूलभूत ढांचे को प्रदर्शित करके अनुसंधान के प्रति जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दृष्टिकोण को रेखांकित किया और भविष्य के इंटरडिसिप्लिनरी सहयोग हेतु मंच तैयार किया।

स्वागत भाषण के उपरांत प्रो. मोहम्मद जाहिद अशरफ ने संक्षिप्त विचार-विमर्श कियाऔर उन्होने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में चल रहे मूलबूत और ट्रांसलेशनल अनुसंधान पर प्रकाश डाला और साथ ही विश्वविद्यालयों, विशेष रूप से यूसीएलए के साथ सहयोग की ताकत और क्षमता को भी रेखांकित किया ।

प्रो प्रियंका कपूर ने दंत चिकित्सा संकाय में शोध का संक्षिप्त परिचय दिया, जिसमें उच्च कुशल संकाय और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ संस्थान में रोगियों की अत्यधिक संख्या और विविधता पर प्रकाश डाला । उन्होंने सामग्री विज्ञान, माइक्रोआरएनए अनुसंधान, स्टेम सेल अनुसंधान, फोरेंसिक अनुसंधान सहित विभिन्न इंटरडिसिप्लिनरी डोमेन के बारे में प्रकाश डाला जिन पर संकाय में अनुसंधान जारी है।

इसके बाद डॉ. डेविड टी.डब्ल्यू. वोंग का अतिथि व्याख्यान हुआ और उन्होंने अपने व्याख्यान में सैलिवा निदान में व्यापक कार्य के विषय में बताया। उनके पास सैलिवा प्रोटीन विश्लेषण के बारे में व्यापक शोध कार्य है जो सैलिवा बायोमार्कर अनुसंधान, एक्सोसोम, और माइक्रोवेसिकल डिलीवरी सिस्टम हेतु सक्रिय रूप से कंसोर्टिया तैयार करते हैं । उन्होंने लिक्विड बायोप्सी, कोविड-19 सैलिवा के बारे में पता लगाने, छोटे आरएनए मार्कर और कैंसर सैलिवा बायोमार्कर के बारे में पता लगाने की नई तकनीकों पर अपना कार्य सबके सामने प्रस्तुत किया ।

व्याख्यान के बाद "एप्लिकेशन ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन सैलिवा " पर एक पैनल चर्चा हुई, जिसका संचालन प्रो केया सरकार ने किया, जिन्होंने प्रो डेविड टी डब्ल्यू वोंग के साथ चर्चा में सभी पैनलिस्टों को सक्रिय रूप से शामिल किया। जहां प्रो मोहम्मद जाहिद अशरफ ने सैलिवा अनुसंधान में अंतर-विश्वविद्यालय सहयोग की संभावना का पता लगाया, वहीं प्रो मोहन चंद्र जोशी ने सैलिवा आधारित सीओवीआईडी -19 डिटेक्शन किट और स्मार्ट फोन एकीकरण पर उनके कार्य के बारे में चर्चा की ।

प्रो. इम्तियाज हसन ने मुख के रोगों में विशेष रूप से प्रोलैक्टिन प्रेरित प्रोटीन (पीआईपी), प्रोटीन बायोमार्कर खोज में संरचनात्मक जीव विज्ञान पर अपने कार्य के बारें में प्रकाश डाला।

प्रो शमीमुल हसन ने क्रोनिक पीरियडोंटाइटिस में गिंगिपैन प्रोटीज पर अपने कार्य का उल्लेख किया जिसके बाद प्रतिभागियों के साथ गहन प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया ।

इस कार्यक्रम का समापन प्रो अमन चौधरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ, जिसमें उन्होने कार्यक्रम को सफल करने के लिए सम्मानित वक्ताओं , कार्यक्रम के अध्यक्ष, पैनलिस्ट और सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञपित किया। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए अनुमति प्रदान करने और कार्यक्रम को संभव बनाने के लिए विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया